http://www.uouonline.com

S-193 Roll No. ……………………..

CAFN–01

आयुर्वेद

Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition
(CAFN-16/17)

Examination, 2018

Time : 3 Hours **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्न पत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्वस्थ की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए आयुर्वेद के उद्देश्य का उल्लेख कीजिए। आयुर्वेदानुसार चिकित्सा के प्रकारों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।
2. दोषों के स्थान, गुण एवं कार्यों को स्पष्ट करते हुए रसों का दोषों पर प्रभाव पर प्रकाश डालिए।

http://www.uouonline.com

http://www.uouonline.com

3. वातादि दोषों का चयादि काल बताते हुए वात-पित्त एवं कफ की उपचार विधि विस्तारपूर्वक बताइए।
4. अष्ट आहार विधि विशेषायतन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पित्त दोष के संतुलन के लिए उपयुक्त आहार का वर्णन कीजिए।
2. विटामिन 'सी' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए आचार्य सुश्रुतानुसार भोज्य पदार्थों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।
3. विभिन्न देशान्तरों से आयुर्वेद का संबंध स्पष्ट कीजिए।
4. वात-पित्त एवं कफ के भेदों का वर्णन कीजिए। साथ ही आचार्य चरकानुसार भोज्य पदार्थों का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।
5. औषध की परिभाषा बताते हुए औषध के भेदों को स्पष्ट कीजिए।
6. निम्नलिखित औषधियों का वानस्पतिक नाम एवं प्रयोज्यांग बताइए :

   (i) अजवाइन

   (ii) बेल

   (iii) जामुन

   (iv) आँवला

   (v) बहेड़ा

http://www.uouonline.com

http://www.uouonline.com

7. आयुर्वेद के प्रयोजन को संक्षिप्त में स्पष्ट करते हुए सुश्रुत संहिता के स्थान एवं अध्यायों की संख्या बताइए।
8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) माधव निदान
   (ब) बाजीकरण

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $\left(\frac{1}{2}\right)$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए :

1. महर्षि अत्रिय ने अपने कितने शिष्यों को आयुर्वेद की शिक्षा दी ?
   (अ) 2
   (ब) 4
   (स) 6
   (द) 8
2. निम्नलिखित में लघुत्रयी ग्रन्थ है :
   (अ) शार्ङ्गधर संहिता
   (ब) अष्टांग हृदय
   (स) हारीत संहिता
   (द) उपर्युक्त सभी
3. यूरोप में प्रचलित चिकित्सा पद्धति के प्रथम आचार्य थे :
   (अ) पैंगि
   (ब) हारीत
   (स) हिरण्याक्ष
   (द) अगस्त्य

http://www.uouonline.com

http://www.uouonline.com

4. मानसिक दोष हैं :
   (अ) सत्व एवं रज
   (ब) रज एवं तम
   (स) सत्व एवं तम
   (द) वात, पित्त एवं कफ

5. आयुर्वेद के अनुसार रसों की संख्या है :
   (अ) 5
   (ब) 6
   (स) 8
   (द) 9

सत्य/असत्य लिखिए :

6. पंचकर्म चिकित्सा को शमन चिकित्सा भी कहते हैं। (सत्य/असत्य)

7. 'बोधक' पित्त के भेदों में से एक है। (सत्य/असत्य)

8. दोषों का स्वस्थान त्यागकर शरीर में अन्यत्र जाना संचय कहलाता है। (सत्य/असत्य)

9. विटामिन बी-6 को ही साइनोकोबालमिन भी कहते हैं। (सत्य/असत्य)

10. आचार्य हारीत द्वारा लिखी संहिता ही चरक संहिता के नाम से प्रचलित है। (सत्य/असत्य)

http://www.uouonline.com